हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 10 : जौनपुर, बुधवार 04 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मेरी लिए गरीब ही सबसे बड़ी जाति, सबसे बड़ी आबादी : प्रधानमंत्री मोदी

एजेन्सी

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जाति आधारित गणना की विपक्षी दलों की मांग के बीच कांग्रेस पर 'किसी भी कीमत पर देश के हिंदुओं को बांटने और 'भारत को तबाह कर देनेश की चाहत रखने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उनके लिए गरीब ही सबसे बड़ी जाति और सबसे बड़ी आबादी है। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी को उसके नेता नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे से ऐसे लोग चला रहे हैं, जो 'राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ मिले हुए हैं। बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में भाजपा की 'परिवर्तन महासंकल्प रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कांग्रेस पर लोकतंत्र को 'लूटतंत्रश और प्रजातंत्र को 'परिवारतंत्रश में बदलने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''कल से कांग्रेस ने एक अलग राग अलापना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि जितनी आबादी उतना हक है। मैं कहता हूं इस देश में अगर कोई सबसे बड़ी आबादी है, तो वह आबादी गरीब है। इसलिए मेरे लिए गरीब ही सबसे बड़ी आबादी है और गरीब का कल्याण यही मेरा मकसद है। उन्होंने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह क्या सोच रहे होंगे? मनमोहन सिंह जी कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है और उनमें भी पहला अधिकार मुसलमानों का है। लेकिन अब कांग्रेस कह रही है कि आबादी तय करेगी कि किसे कितना अधिकार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस मुसलमानों के अधिकारों को कम करना चाहती हैं? उन्होंने कहा, ''तो क्या अल्पसंख्यकों को कांग्रेस हटाना चाहती है? तो क्या सबसे बड़ी आबादी वाले हिंदू अब आगे बढ़कर अपने सारे हक ले लें? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अब कांग्रेस के लोग नहीं चला रहे हैं, क्योंकि उसके बड़े नेता मुंह बंद करके बैठे हैं।

उन्होंने कहा, ''अब कांग्रेस को पर्दे के पीछे से वो लोग चला रहे हैं, जिनकी देश विरोधी ताकतों से साठगांठ है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस किसी भी कीमत पर देश के हिंदुओं को बांटकर, भारत को तबाह कर देना चाहती है। कांग्रेस गरीबों को बांटना चाहती है।श्श उन्होंने कहा कि पिछले करीब 10 सालों में उनकी सरकार ने ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे गरीबों में फिर विश्वास पैदा हुआ। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए तो इस देश का गरीब, यही सबसे बड़ी जाति है। यही सबसे बड़ी बिरादरी है। अगर गरीबों का भला हो गया, तो देश का भला अपने आप हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने किसी अन्य देश के साथ अपने गुप्त समझौते का खुलासा नहीं किया है। समझौते के बाद कांग्रेस को भारत के खिलाफ बोलने में मजा आ रहा है। भारत की अच्छी बातों को बुरी तरह से पेश करने में मजा आ रहा है। ऐसा लगता है कि देश के प्रति उनका प्यार कम हो गया है। उन्होंने लोगों को कांग्रेस से सतर्क रहने के लिए कहा।

दिल्ली पुलिस ने न्यूजक्लिक पत्रकारों से की पूछताछ, यूएपीए धाराएं लगाई गई

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने चीन फंडिंग मामले में हिरासत में लिए गए पत्रकारों के लिए कम से कम 25 सवालों की एक सूची बनाई है। हालांकि, उन पत्रकारों को हिरासत में लेने के संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, जिनके घरों पर मंगलवार तड़के पुलिस टीमों ने छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, सवाल शाहीन बाग में सीएए विरोधी विरोध प्रदर्शन, किसानों के विरोध प्रदर्शन, उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों और यहां तक कि उनकी विदेश यात्रा के विवरण से संबंधित हैं। मीडिया आउटलेट न्यूजक्लिक को चीन से फंडिंग मिलने के आरोप में स्पेशल सेल द्वारा 30 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई। हालांकि, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। छापेमारी के दौरान स्पेशल सेल ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव भी जब्त किए थे और न्यूजक्लिक कार्यालय से हार्ड डिस्क के डेटा डंप भी लिए थे। संगठन से जुड़े पत्रकारों में भाषा सिंह, अभिसार शर्मा, संजय राजौरा और अन्य शामिल हैं। न्यूजक्लिक के लेखक परंजॉय गुहा ठाकुरता और उर्मिलेश के घर की भी तलाशी ली गई। उन्हें पुलिस द्वारा कारों में ले जाते देखा गया। अभिसार शर्मा ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, षदिल्ली पुलिस मेरे घर पहुंची। मेरा लैपटॉप और फोन ले लिया। वेब पोर्टल की एक अन्य पत्रकार भाषा सिंह ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, ष्आखिरकार इस फोन से आखिरी ट्वीट हुआ। दिल्ली पुलिस ने मेरा फोन जब्त कर लिया। 5 अगस्त को न्यूयॉर्क टाइम्स ने श्ए यूएस टेक मुगल लिंक्ड टू ए ग्लोबल वेब ऑफ चाइनीज प्रोपेगेंडाश शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक, एक समाचार पोर्टल, अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम से फंड प्राप्त करने वाले एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा था, जो कथित तौर पर चीनी सरकारी मीडिया के साथ करीब से जुड़ा हुआ था। एनवाईटी रिपोर्ट का हवाला देते हुए, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस, चीन और न्यूजक्लिक के बीच श्एंटी–इंडिया अंबिलिकल कॉर्ड है और वे वेबसाइट के माध्यम से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। न्यूजक्लिक ने दो दिन बाद एक बयान जारी किया, जिसमें आरोपों को निराधार और तथ्यात्मक या कानूनी समर्थन की कमी बताते हुए खंडन किया। सूत्रों के अनुसार, न्यूजक्लिक से जुड़े विभिन्न स्थानों पर तलाशी 17 अगस्त को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की अन्य धाराएं, जिनमें धारा 153ए (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 120बी (आपराधिक साजिश) शामिल हैं, के तहत दर्ज मामले के आधार पर की गई थी।

भोपाल में दौड़ी मेट्रो, शिवराज ने हरी झंडी दिखाने के बाद की सवारी

एजेन्सी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आज के दिन को ऐतिहासिक बनाते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्रायल रन के लिए मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए स्वयं इसकी सवारी की। इस दौरान उनके साथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल के विधायक रामेश्वर शर्मा, कृष्णा गौर, विष्णु खत्री और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशी आलोक शर्मा और ध्रुव नारायण सिंह भी उपस्थित रहे। श्री चौहान ने मेट्रो को हरी झंडी दिखाने के पूर्व विधिवत पूजा–अर्चना की। इसके बाद वे एस्केलेटर से ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचे और ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। श्री चौहान और सभी विधायक ट्रेन में सवार हुए। ट्रेन ने सुभाष नगर रेलवे स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक का सफर तय किया। इस दौरान श्री चौहान ने मेट्रो परियोजना के अधिकारियों से तमाम बारीकियों की भी जानकारी ली। सफर के बाद श्री चौहान ने सभी को इस नए कदम के लिए बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश बदल रहा है। भोपाल ने तांगे से अपने सफर की शुरुआत की थी और आज ये सफर मेट्रो ट्रेन तक आ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि जब ये परियोजना शुरु की गई थी तो लोग कहते थे कि ये नहीं हो सकता था, पर मेट्रो चलाना सरकार का संकल्प और सपना था। ये परिवहन के क्षेत्र में क्रांति है। मेट्रो का सफर सुगम, सुरक्षित, सस्ता, सुलभ और सुविधापूर्ण है। एक ऐसा सफर जो भोपाल के विकास को नई दिशा और गति देगा। श्री चौहान ने मेट्रो परियोजना के सफर के संदर्भ में कहा कि परियोजना के दौरान कुछ चीजें असंभव सी थीं, लेकिन उन्हें सुनियोजित तरीके से संभव बनाया गया। ये छह हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजना थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अभी प्रस्तावित 31 किलोमीटर को पूरा किया जाएगा, जिसके बाद इसके साथ मंडीदीप, सीहोर और बाद में और विदिशा, रायसेन जैसे शहरों को भी मेट्रो से जोड़ेंगे। उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा लग रहा था कि मेट्रो रुके ही नहीं, चलती ही जाए।

बंगाल में मनरेगा में हुआ बड़ा घोटाला, साध्वी निरंजन ज्योति से मिलकर सीबीआई जांच की मांग करूंगा : सुवेंदु अधिकारी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल भाजपा के दिग्गज नेता एवं राज्य विधान सभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी सरकार द्वारा मनरेगा योजना में बड़ा घोटाला करने का आरोप लगाते हुए इस घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की है। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए सुवेंदु अधिकारी ने मनरेगा के जॉब कार्ड में बड़ा घोटाला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हजारों करोडों रुपए का घोटाला कर टीएमसी के दफ्तर एवं टीएमसी के मालिक और मालकिन के घर तक यह पैसा भेजा गया और ग्रेट भतीजा ने उस पैसे को देश के बाहर भेज दिया। उन्होंने इस घोटाले की सीबीआई जांच की मांग पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है और आज वह संबंधित मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से शाम को 4 बजे मुलाकात कर इस घोटाले की सीबीआई जांच करवाने की मांग करेंगे क्योंकि इस मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री (गिरिराज सिंह) दिल्ली से बाहर बिहार में हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस घोटाले की सही ढंग से जांच की गई तो यह आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला हो सकता है। सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस को गुंडों की पार्टी करार देते हुए कहा कि कल गांधी जयंती के दिन दिल्ली पुलिस और राजघाट कमेटी की अनुमति के बिना, राजघाट पर इकट्ठा होकर इन लोगों ने पूरे देश से महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए आए हुए श्रद्धालुओं के साथ जो दुर्व्यवहार किया, वह सबने देखा। सुवेंदु अधिकारी ने यूपीए सरकार की तुलना में एनडीए की मोदी सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल को मनरेगा सहित अन्य योजनाओं में ज्यादा फंड देने के आंकड़ों को बताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन का हिस्सा है, यह विकास का काम नहीं करती है। इसका सिर्फ तीन एजेंडा–परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण–है।

भाजपा नेता ने पश्चिम बंगाल में खिसकती राजनीतिक जमीन को लोकसभा चुनाव से पहले बचाने और भ्रष्टाचार से लोगों का ध्यान हटाने के लिए टीएमसी नेताओं द्वारा दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने का दावा करते हुए कहा कि खाना पीना देकर, कुछ लोगों को दिल्ली लाकर, फाइव स्टार होटल में रखकर ये लोग ड्रामेबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर चीज में राजनीति करना और दिल्ली की कुर्सी का सपना देखना टीएमसी की आदत हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए फंड का फायदा पश्चिम बंगाल सरकार अपनी पार्टी टीएमसी के कैडर और पार्टी नेताओं के रिश्तेदारों को पहुंचाकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर रही है। बंगाल में बुआ–भतीजे की सरकार चोरी करेगी तो भाजपा सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ाई लड़ेगी और कानूनी लड़ाई भी लड़ेगी।

चंद्रबाबू नायडू को अंतरिम राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट में 9 अक्टूबर को याचिका की सुनवाई

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तेलुगु देशम पार्टी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। चंद्रबाबू नायडू कथित कौशल विकास निगम घोटाले से जुड़े मामले में सलाखों के पीछे हैं। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने मामले को 9 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया। इसी बीच पीठ ने राज्य सरकार से आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के समक्ष दायर सभी दस्तावेजों का संकलन पेश करने को कहा है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि राज्य के राज्यपाल से मंजूरी लिए बिना नायडू के खिलाफ जांच नहीं की जा सकती थी। उन्होंने तर्क दिया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए, जो पुलिस को पूर्व अनुमोदन के अलावा किसी लोक सेवक के खिलाफ कोई भी पूछताछ या जांच करने से अक्षम करती है, आपराधिक प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए पेश की गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरोप की प्रत्येक जांच जहां कथित अपराधा लोक सेवक की किसी सिफारिश या लिए गए निर्णय से संबंधित है के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होती है। 27 सितंबर को हुई आखिरी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसवी. भट्टी ने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया था। बाद में उसी दिन, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने नायडू की याचिका पर किसी अन्य पीठ में तत्काल सुनवाई के लिए कोई निर्देश पारित नहीं किया या उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं दी। वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी थी कि आंध्र के पूर्व सीएम को केवल 2024 के आम चुनावों के कारण ष्एक के बाद एक एफआईआर में फंसाया जा रहा है। नायडू ने 22 सितंबर को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस. रेड्डी की एकल न्यायाधीश पीठ के उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और न्यायिक हिरासत को रद्द करने की याचिका खारिज करने के बाद एक विशेष अनुमति याचिका दायर करके सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

गोरखपुर में बोले सीएम योगी, कहा, इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन की घोषणा जल्द की जाएगी

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि राज्य में जानलेवा बीमारी इंसेफेलाइटिस अब खत्म होने की कगार पर है और इसके उन्मूलन की औपचारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। सीएम ने यहां स्थित बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का उद्घाटन किया। उन्होंने डेंगू वार्ड का निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी भी ली। सीएम योगी ने कहा कि, विभिन्न सरकारी विभागों के ठोस प्रयासों से उत्तर प्रदेश में अब इंसेफेलाइटिस खत्म होने की कगार पर है। इसके उन्मूलन की औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी। उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण की सराहना की जा रही है। सीएम ने जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2017 से डेंगू, मलेरिया, इंसेफेलाइटिस, कलाकार और चिकनगुनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चला रही है और पिछले छह वर्षों के दौरान इन अभियानों के उत्कृष्ट परिणाम मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार साल में तीन बार संचारी रोग नियंत्रण के लिए अंतरविभागीय समन्वय अभियान चलाती है। अक्टूबर से जनवरी तक चलने वाले विशेष अभियान में प्रारंभिक चरण में जन जागरूकता और अंतरविभागीय जिम्मेदारियों पर केंद्रित 15 दिवसीय कार्यक्रम शामिल है। इसके तहत आगामी 16 से 31 अक्टूबर तक आशा कार्यकर्ता घर–घर जाकर मरीजों की पहचान करेंगी और उनके इलाज की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी। सीएम योगी ने कहा, वर्ष 2017 से पहले इस मौसम में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इंसेफेलाइटिस के 500 से 600 मरीज भर्ती होते थे। हर साल पूरे राज्य में इस बीमारी के कारण 1200 से 1500 बच्चों की मौत हो जाती थी। अकेले मेडिकल कॉलेज में 500 से 600 बच्चों की मौत होती थी। उन्होंने कहा कि अब यह बीमारी और मौतें इतिहास की बात होती जा रही हैं क्योंकि अगर सरकार ठान ले और लोग सहयोग करें तो सब कुछ संभव है।

100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी, 38 करोड़ बने चर्चा का विषय

एजेन्सी

नयी दिल्ली। ऑनलाइन पोर्टल न्यूजक्लिक से जुड़े कई पत्रकारों और कर्मचारियों के चीनी संबंध होने की अटकलों के बीच दिल्ली पुलिस ने मंगलवार सुबह छापेमारी की। 2 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें यह तय किया गया कि इस मामले को कैसे आगे बढ़ाया जाए। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और मुंबई में 100 से ज्यादा जगहों पर आज सुबह 6 बजे से छापेमारी शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक, जिन लोगों पर छापेमारी होनी थी उनके नामों की एक सूची बनाई गई और उन्हें 3 (ए, बी, सी) श्रेणियों में बांटा गया। श्रेणी ए में शामिल लोगों को हिरासत में लिया गया है। न्यूजक्लिक के संस्थापक और संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल कार्यालय लाया गया। इस छापेमारी में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की सभी रेंज की टीमें समेत 500 पुलिसकर्मी तैनात हैं। कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 17 अगस्त को दर्ज मामले के आधार पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा दिल्ली और पड़ोसी इलाकों नोएडा और गाजियाबाद में 100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की गई। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि कुछ पत्रकारों को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया है।

ईडी ने पहले आरोप लगाया था कि समाचार पोर्टल को तीन साल की अवधि के भीतर चीन से जुड़ी संस्थाओं से 38.05 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई। इस रकम का इस्तेमाल कैसे किया गया, यह जांच के दायरे में है। प्राप्त धनराशि कथित तौर पर गौतम नवलखा और मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड के सहयोगियों सहित कई विवादास्पद पत्रकारों को वितरित की गई थी। न लोगों ने न्यूजक्लिक से वेतन या पारिश्रमिक प्राप्त किया है, उनकी जांच की जा रही है। जिन पत्रकारों के घरों की आज तलाशी ली गई, उनके लैपटॉप और फोन आगे की जांच के लिए जब्त कर लिए गए हैं। दरअसल, न्यूज क्लिक एक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म है। इसके ऊपर बीजेपी ने चीन का साथ देकर भारत में माहौल खराब करने का आरोप लगाया था।

बिहार जाति सर्वेक्षण को सुप्रीम कोर्ट में मिली चुनौती, 6 अक्टूबर को याचिकाओं पर सुनवाई करेगा न्यायालय

एजेन्सी

नयी दिल्ली/पटना उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह बिहार में जाति सर्वेक्षण की अनुमति प्रदान करने से संबंधित पटना उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर छह अक्टूबर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना एवं न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को कहा कि उसने सुनवाई के लिए याचिकाओं को सूचीबद्ध कर लिया है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड से संबंधित एक अलग मामले में मेहता द्वारा स्थगन का अनुरोध और इसे शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का अनुरोध करने के बाद पीठ ने यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने छह सितंबर को बिहार में जाति सर्वेक्षण को हरी झंडी देने के पटना उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई तीन अक्टूबर तक टाल दी थी। शीर्ष अदालत ने सात अगस्त को बिहार में जाति सर्वेक्षण को हरी झंडी देने के पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए टाल दी थी। इस संबंध में गैर सरकारी संगठन 'एक सोच एक प्रयासश की याचिका के अलावा कई अन्य याचिकाएं भी दायर की गई हैं, जिनमें एक याचिका नालंदा निवासी अखिलेश कुमार की भी है जिन्होंने दलील दी है कि इस सर्वेक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संवैधानिक आदेश के खिलाफ है। अखिलेश कुमार की याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक आदेश के तहत सिर्फ केंद्र सरकार को ही जनगणना करने का अधिकार है। उच्च न्यायालय ने अपने 101 पन्नों के फैसले में कहा था, ''हम राज्य की कार्रवाई को पूरी तरह से वैध पाते हैं, जो न्याय के साथ विकास प्रदान करने के वैध उद्देश्य से उचित अधिकार के अनुसार शुरू की गई है। उच्च न्यायालय द्वारा जाति सर्वेक्षण को ''वैध ठहराए जाने के एक दिन बाद राज्य सरकार हरकत में आई और शिक्षकों के लिए जारी सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निलंबित कर दिया, ताकि उन्हें इस कार्य को जल्द पूरा करने में लगाया जा सके। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने 25 अगस्त को कहा था कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और आंकड़े जल्द सार्वजनिक किए जाएंगे।

सम्पादकीय

स्वच्छांजलि के संकल्प

यह सुखद ही है कि गांधी जयंती से एक दिन पहले स्वच्छ व स्वस्थ राष्ट्र के लिये चलाए गए स्वच्छांजलि कार्यक्रम को पूरे देश में सकारात्मक प्रतिसाद मिला। आज एक करोड़ चालीस लाख आबादी वाला देश ध रती–आकाश में उपलब्धियों की नई इबारत लिख रहा है। तकनीकी उन्नति के नये आयाम हमारे सामने हैं। लेकिन स्वच्छता के प्रति हमारे देश में आम लोगों की उदासीनता अखरती है। निस्संदेह, हमारे परिवेश में स्वच्छ हवा, पानी व भूमि का स्वच्छ होना हमें स्वस्थ बनाता है। स्वस्थ शरीर किसी भी राष्ट्र की बहुमूल्य संपदा होती है। पिछले कुछ वर्षों में कोरोना महामारी के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को जिस तरह से चोट पहुंची और जन–धन की हानि हुई, उसने हमें स्वच्छ व स्वस्थ जीवन के महत्व को बताया। निश्चित रूप से हमारा स्वास्थ्य हमारे स्वच्छ परिवेश पर निर्भर करता है। स्वच्छता की संस्कृति से ही हमारा हवा–पानी साफ होता है। जिसके लिये देश में सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता की संस्कृ ति का पोषण अनिवार्य शर्त है। विडंबना यह है कि आज भी आम आदमी की सोच यही होती है कि मेरा घर तो साफ रहे, सड़क पर चाहे कुछ भी होता रहे। जबकि जरूरत इस बात की है कि घर के साथ ही हमारे सार्वजनिक स्थल, सड़कें, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पार्क और पर्यटन स्थल स्वच्छ रहें। अच्छा नहीं लगता जब विदेशों से आने वाले मेहमान हमारे यहां गंदगी देखकर नाक–भौं सिकोड़ते नजर आते हैं। स्वच्छता हमारी सोच व संस्कृति में शामिल होनी चाहिए। इसके लिये महज एक दिन या दिखावा नहीं होना चाहिए। देशवासियों को इस जरूरत का अहसास कराना चाहिए कि स्वस्थ जीवन हमारी स्वच्छता की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है। इस स्वच्छता की जरूरत को आजादी से पहले महात्मा गांधी ने बखूबी समझा। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तमाम स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागेदारी की। यही वजह है कि उनकी जयंती से एक दिन पहले पूरे देश में स्वच्छ राष्ट्र के लिये स्वच्छांजलि कार्यक्रम चलाने की पहल की गई। दरअसल, हमारी सार्वजनिक स्वच्छता का सीधा संबंध हमारे तन–मन के स्वास्थ्य से जुड़ा है। हम जानते हैं कि स्वच्छता के अभाव में तमाम तरह के संक्रामक व अन्य रोग पैदा हो जाते हैं। जिसकी कीमत न केवल व्यक्ति को बल्कि राष्ट्र को भी चुकानी पड़ती है। निस्संदेह, स्वच्छांजलि जैसे कार्यक्रम देश के एक बड़े वर्ग को इस दिशा में सोचने और योगदान देने के लिये प्रेरित करते हैं। बहुत संभव है कि लाखों लोग इससे प्रेरित होकर स्वच्छता की मुहिम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। लेकिन एक बात तय है कि देश में संपूर्ण स्वच्छता राजनेताओं की पहल व सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं हो सकती। इसमें हर नागरिक की सक्रिय भागेदारी जरूरी है। प्रधानमंत्री व अन्य मंत्रियों के हाथ में झाड़ू देखकर एक आम आदमी की यह सोच बनेगी कि यह काम सिर्फ सफाईकर्मियों का ही नहीं है। इस पहल ने हमारे देश के लाखों सफाईकर्मियों को सम्मान और आत्मगौरव का अहसास कराया है कि सफाईकर्मी का दायित्व कितना महत्वपूर्ण है। साथ ही यह भी कि उन्हें अब हेय दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर दुनिया के वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम में आ रहे बदलाव गंदे वातावरण में कई तरह की बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से हमारा शरीर रोगों के प्रति संवेदनशील बन जाता है। सफाई अभियान के साथ ही हमें इस दिशा में भी सोचना होगा कि देश के विभिन्न भागों में खड़े कचरे के पहाड़ों का निस्तारण कैसे किया जाए। खासकर देश की राष्ट्रीय राजधानी में स्थित कई कूड़े के पहाड़ राजनीति का मुद्दा तो बनते हैं लेकिन आरोपों–प्रत्यारोपों के बावजूद समस्या के निस्तारण की दिशा में गंभीरता से नहीं सोचा जाता। पिछले दिनों हाईवे निर्माण में कचरे का इस्तेमाल करने की घोषणा हुई। इस विचार को यथाशीघ्र मूर्त रूप देने की जरूरत है। इसी क्रम में एक नया अभियान हमारे जल स्रोतों, नदी–नहरों को स्वच्छ बनाने की दिशा में भी चलाना चाहिए, ताकि जीवनदायी पानी विषाक्त न बने।

बे मतलब की बकझक

भरतीय हिन्दू सामाजिक संरचना में जाति एक अमिट सच्चाई है। जाति के पक्षदृविपक्ष में तर्क दिए जा सकते हैँ लेकिन इसका उन्मूलन नामुमकिन है। ग्रीक विचारक संत एंटीयस ने इस संदर्भ में कहा भी है कि जाति उस दैत्य की भांति हैँ जो अपनी प्रत्येक हार के उपरांत दूनी शक्ति बटोर कर रणभूमि में लौटता है। हालांकि अंबेडकरॉ लोहिया और जय प्रकाश नारायण ने अलगदृ अलग समय पर जातदृपात मिटाने की मुहिम चलाई। वर्ण व्यवस्था से गौरव बोध वाले सवर्ण जातीय समूह इसे तोड़ना नहीं चाहते और निम्न जातीय समूह इसे तोड़ने में सक्षम नहीं हैं। संभवतः यही कारण है कि संविधान में जातिगत भेदभावॉ गैरदृबराबरी और छूआछूत को दूर करने के उपबंध और उपचार तो बताए गए हैँ लेकिन इसके संपूर्ण विनाश के सूत्र को प्रस्तावित नहीं किया गया है। ध जातीय व्यवस्था में दोष और शोषण के तत्व को कम अथवा निरस्त करने के मार्ग संविधान के मौलिक अधिकार और राज्य के नीतिदृनिदेशक तत्व के रूप में अंगीकृत किए गए हैं। पूर्ववर्ती सरकारों ने इस पर काम भी किया है। इसी क्रम में स्त्री शक्ति वंदन विधेयकदृ२०२३ पर राज्य सभा में चर्चा के दौरान मनोज झा ने कवि ओम प्रकाश वाल्मीकि की 'ठाकुर का कुआंश नामक एक कविता पढ़ी। उन्होंने प्रसंगॉ प्रतीक और संदर्भ को स्पष्ट करते हुए ठाकुर शब्द को जातिगत अस्मिता से नहीं जोड़ने की अपील कर अपने भाषण के अंत में उस कविता का अक्षरशः पाठ किया। ठाकुर को प्रभुत्व बोध और सामंती मानसिकता के आधार पर सप्रसंग व्याख्या किया और शक्ति संरचना में वर्चस्व स्थान पर विराजमान हर व्यक्ति के मन में होने की बात कही। उस प्रभुत्व दोष को मारने के लिए सभी को प्रेरित होने का आह्वान किया। इस कविता पाठ का लक्षित उद्देश्य बेहद संवेदनशील था। सामंती सोचॉ शोषण और हक हथियाने की प्रवृत्ति का त्याग और विनाश तक सीमित थाध। सांसद मनोज झा अपनी पार्टी के पक्ष को बौद्धिक और स्पष्ट तरीके से जनमानस में रखने के लिए चद्दचत रहे हैं। लगभग सभी मुद्दों पर उनकी भागीदारी एक वैकल्पिक पक्ष की धार निद्दमत करती है। उनके भाषण के एक अंश को जातीय नजर से राजपूत बनाम ब्राह्मण बनाने की कोशिश राजनीति से प्रेरित लगती है। महान दलित लेखक की कविता 'ठाकुर का कुआंश में ठाकुर को राजपूत या क्षत्रिय के रूप में स्वीकार करना जातिवाद का विद्रूप चेहरा है जबकि सकारात्मक पहल के तौर पर जातीय संगठन सामाजिकदृसांस्कृतिक संगठन की भूमिका में अपनी जाति के विकास और कल्याण के लिए सक्रिय रहते हैँ लेकिन कविता और साहित्य के माध्यम से शोषण के मर्मत्व को जनमानस तक पहुंचाने की एक परंपरा रही हैँ और समाज को प्रगतिशील बनाने में इसकी निर्णायक भूमिका रही है। वीपी सिंह जब देश के प्रथम राजपूत प्रधानमंत्री बने तो उस समाज ने उनके सम्मान में 'राजा नहीं फकीर हैँ देश का तकदीर हैश जैसे कसीदे पढ़े। जब उन्होंने सरकारी नौकरियों में पिछड़ों की हकदारी स्थापित करने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किया तो उसी समाज ने उन्हें 'राजा नहीं रंक हैँ देश का कलंक हैश जैसे नारों से अपमानित किया। उसी प्रकारॉ तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंहॉ जिन्होंने पिछड़ी जातियों के लिए शिक्षण संस्थाओं में २७ फीसद आरक्षण लागू कियॉ अपनी ही जाति की नजर में दोषी के तौर पर देखे जाते हैं जबकि ये दोनों महानुभाव पिछड़ों की नजर में युग पुरु ष माने जाते हैं। इन्होंने भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से को सामाजिक न्याय से परिचित कराया। इस वष्टिकोण से राजपूत समाज को इन दोनों हस्तियों की प्रगतिशील सोच पर गद्दवत होना चाहिए अन्यथा इस समूह को जातीय वर्चस्व से ग्रसित मानना अतिश्योक्ति नहीं होगी। मनोज झा ने महिला वर्ग को सिर्फ एससीध्एसटीध्ओबीसी और सामान्य श्रेणी की नजर से नहीँ बल्कि पितृसतात्मक प्रणाली का शिकार बताया। इसलिए महिला आरक्षण के दायरे में सभी कैटेगरी की महिलाओं को शामिल कर इसे समावेशी बनाने का सवाल पुरजोर तरीके से उठाया। इस प्रगतिशील कदम के रास्ते में 'ठाकुर की मानसिकता ही सबसे बड़ा अवरोधक बिंदु रहा होगा!

पुरानी पेंशन योजना लागू करे केन्द्र

पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शासकीय कर्मचारियों का विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया था जिसमें 20 राज्यों के लाखों कर्मचारी शामिल हुए। इसका आयोजन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के तत्वावधान में किया गया था। पेंशन शंखनाद महारैलीश के नाम से आयोजित इस रैली का उद्देश्य मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के बजाय पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाना था। इतनी विशाल संख्या में हुए प्रदर्शन से साफ है कि कर्मचारियों का रुझान पुरानी पेंशन योजना की ओर है और उसे नयी पेंशन योजना बिलकुल रास नहीं आ रही है। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार पुरानी योजना को फिर से लागू करना चाहिये क्योंकि वही कर्मचारियों के पसंद की है और उनके हित में भी। वैसे तो इस मसले को राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिये लेकिन यह सच है कि नयी योजना को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार व उसके शासित ज्यादातर राज्यों की सरकारों का समर्थन है। दूसरी तरफ जहां गैर भाजपायी सरकारें हैं और उन राज्यों के कर्मचारी हैं, वे पुरानी स्कीम चाहते हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पंजाब में तो इसे लागू करने का फैसला भी लिया जा चुका है। रविवार को एकत्र हुआ कर्मचारियों का हुजूम बतलाता है कि यह मुद्दा न केवल इस साल होने जा रहे पांच राज्यों के विध ानसभा चुनावों पर बल्कि 2024 में निर्धारित लोकसभा चुनावों पर भी असर करेगा।

उल्लेखनीय है कि 2004 में यूपीए की सरकार ने पुरानी योजना की जगह पर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की थी जो शेयर बाजार और अन्य निवेशों पर आध ारित है। शेयर बाजार की स्थिति के आधार पर रिटर्न का भुगतान होता है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) में सेवानिवृत्ति के समय अंतिम मूल वेतन (बेसिक सैलरी) के 50 फीसदी तक निश्चित पेंशन मिलती है। एनपीएस में रिटायरमेंट के समय निश्चित पेंशन की कोई गारंटी नहीं होने से यह कर्मचारियों की पसंद नहीं रह गयी है। पुरानी पेंशन योजना में कर्मचारियों के वेतन से कोई कटौती नहीं होती थी जबकि एनपीएस में कर्मचारियों के वेतन से 10 फीसदी की कटौती होती है। इतना ही नहीं, नई पेंशन स्कीम में ग्रेच्युटी प्राविडेंट फंड उपलब्ध नहीं है।

पुरानी पेंशन स्कीम में यह सुविधा कर्मचारियों को मिलती है। पुरानी पेंशन योजना के और भी कई फायदे

हैं। ओपीएस में रिटायर होने के बाद कर्मचारियों को चिकित्सा भत्ता और मेडिकल बिलों की सुविधा भी दी जाती है और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 20 लाख रुपये तक की ग्रेजुएटी की रकम भी मिलती है। इस योजना के तहत कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के समय की तनख्वाह की आधी राशि के बराबर की पेंशन मिलती है जिसका निर्धारण तत्कालीन वेतनमान एवं महंगाई सूचकांक के अनुसार होता है। साथ ही, कर्मचारी की मौत होने पर यह राशि उसके परिजनों को दी जाती है। इस तरह देखें तो वर्तमान परिस्थितियों में यही पेंशन स्कीम कर्मचारियों के व्यापक हित में है। तत्कालीन सरकार ने जब इसे बन्द किया था तब का आर्थिक परिदृ श्य काफी अलग था। देश की अर्थव्यवस्था बड़ी ऊंचाइयों पर थी। 1991 में आई नयी अर्थप्रणाली ने कार्पोरेट जगत को गतिशील बना दिया था जिसमें शेयर बाजारों में किया गया निवेश शर्तिया तौर पर फायदेमंद साबित होता था। 2008 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी ने निजी सेक्टर को काफी कमजोर किया था, बावजूद इसके कि भारत पर मंदी का बड़ा असर नहीं पड़ा था, लेकिन शेयरों में निवेश करना जोखिम पर आधारित अधिक हो चला था। 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के अदूरदर्शितापूर्ण निर्णयों से भारत की अर्थव्यवस्था मुठ्ठी भर कारोबारियों के लिये ही फायदेमंद रह गई है। पहले उद्योग–धंधों का स्वरूप विकेन्द्रित था। अब कुछ ही लोगों के शेयर उछाल मारते दिखते हैं जबकि ज्यादातर कम्पनियों के शेयरों में निवेश करना फायदे की गारंटी नहीं रह गई है। पुरानी पेंशन व्यवस्था की मांग करना एवं नयी योजना को नकारना दरअसल निवेश बाजार की गिरती साख का प्रतीक है। कर्मचारियों को पेंशन उनकी उम्र भर की कड़ी मेहनत से अर्जित की हुई होती है जिस पर उसकी सामाजिक सुरक्षा का पूरा भार होता है। इसी पेंशन के बल पर वे अपने बचे सपनों को पूरा करते हैं। बची आयु की रोजी–रोटी का जुगाड़ उसकी पेंशन से ही होता है और उसकी मृत्यु के बाद उसकी विधवा एवं नाबालिग बच्चों का भरण–पोषण भी इसी के जरिये सम्भव है। इस मुद्दे को इस लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिये कि इसे किसने लागू किया या बन्द किया। इसका सम्बन्ध लाखों शासकीय कर्मचारियों के जीवन से जुड़ा हुआ है। कुछ अरसा पहले राजस्थान में पुरानी पेंशन की बहाली का ऐलान सर्वप्रथम हुआ जिसका वहां के कर्मचारियों ने दिल से स्वागत किया है। हिमाचल प्रदेश के कर्मचारी भी इससे खुश हैं। छत्तीसगढ़ में भी यही स्थिति है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पुरानी स्कीम का समर्थन करते हुए केन्द्र सरकार से निवेदन किया है कि दिल्ली के कर्मचारियों को पुरानी योजना के अनुसार पेंशन देने का ऐलान करे। कर्मचारियों की मांग जायज है अतः केन्द्र सरकार को चाहिये कि उनकी इच्छा के अनुरूप पुरानी पेंशन योजना बहाल करे। देखना होगा कि सामान्य रूप से जायज मांगों को पूरा करने में अपनी हेठी समझने वाली मोदी सरकार इस बार कर्मचारियों की बात मानती है या नहीं। उन्हें इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिये। इससे राजकोष पर भार तो बढ़ेगा लेकिन कर्मचारियों के व्यापक हित में उसे इस पहलू पर ध्यान नहीं देना चाहिये।

गांधीजी की याद के बहाने गंगा स्वच्छता अभियान और बापू की नैतिक स्वच्छता

इन 364 परियोजनाओं में से, 160 परियोजनाएं सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित हैं, जिन्हें 5024 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्षमता के निर्माण और पुनर्वास और 5227 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाने के लिए लिया गया है, जिनमें से 76 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं जिसके परिणामस्वरूप 1,079 एमएलडी एसटीपी क्षमता का निर्माण और पुनर्वास हुआ और 3860 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाया गया। इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2020–21 से 2021–22 तक केवल एक वर्ष की अवधि में 2355.96 रुपये खर्च हुए थे। फिर भी स्थिति यहां तक है कि गंगा का पानी पीने लायक तो रहा नहीं मगर कई स्थानों पर उसके जलचरों के लिए जीने लायक भी नहीं रह गया है।

जयसिंह रावत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस स्वच्छ भारत की कल्पना आज कर रहे हैं वही कल्पना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजादी के आन्दोलन के शुरुआती दौर में ही कर ली थी, इसलिए वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने 2 अक्टूबर 2014 को गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी। आज इस मिशन को एक जन आन्दोलन की शक्ल देने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन यह प्रयास तब तक अधूरा रहेगा जब तक गांध ी जी की सोच के अनुसार मानसिक स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया जाता। गांधी जी ने दोनों तरह की मलिनता से मुक्ति की परिकल्पना की थी। मोहनदास करमचंद गांधी जब 1915 दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद अपने मित्र चार्ली एंड्रयूज के साथ शांति निकेतन में रवीन्द्रनाथ टैगोर से मिलने के बाद 5 अप्रैल को कुंभ के अवसर पर महात्मा मुन्शीराम से मिलने हरिद्वार पहुंचे तो इस तीर्थनगरी और खासकर गंगा की गंदगी को देख कर उन्हें बड़ा कष्ट हुआ। गंगा की इस भौतिक गंदगी से भी कहीं अधिक कष्ट उन्हें नैतिक गंदगी देखकर हुआ। उन्होंने वहां भौतिक गंदगी के अलावा जो नैतिक गंदगी, पाखण्ड और अन्धविश्वास देखा उसका उल्लेख वह अपनी हस्तलिखित डायरी में अपने यात्रा वृतान्त में करना नहीं भूले। "ऋषिकेश और लक्ष्मण झूले के प्राकृतिक दृष्य मुझे बहुत पसन्द आए। परन्तु दूसरी ओर मनुष्य की कृति को वहां देख चित्त को शांति न हुई। हरिद्वार की तरह ऋषिकेश में भी लोग रास्तों को और गंगा के सुन्दर किनारों को गन्दा कर डालते थे। गंगा के पवित्र पानी को बिगाड़ते हुए उन्हें कुछ संकोच न होता था। दिशा–जंगल जाने वाले आम जगह और रास्तों पर ही बैठ जाते थे, यह देखकर मेरे चित्त को बड़ी चोट पहुंची। नमामि गंगे कार्यक्रम को जून 2014 में 31 मार्च, 2021 तक की अवधि के लिए गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों को फिर से जीवंत करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ शुरू किया गया था। लक्ष्य पूरा करने के लिए इस परियोजना का विस्तार किया गया। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत, अब तक 30,853 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर कुल 364 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं और 183 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और चालू हो चुकी हैं। इन 364 परियोजनाओं में से, 160 परियोजनाएं सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित हैं, जिन्हें 5024 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्षमता के निर्माण और पुनर्वास और 5227 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाने के लिए लिया गया है, जिनमें से 76 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं जिसके परिणामस्वरूप 1,079 एमएलडी एसटीपी क्षमता का निर्माण और पुनर्वास हुआ और 3860 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाया गया। इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2020–21 से 2021–22 तक केवल एक वर्ष की अवधि में 2355.96 रुपये खर्च हुए थे। फिर भी स्थिति यहां तक है कि गंगा का पानी पीने लायक तो रहा नहीं मगर कई स्थानों पर उसके जलचरों के लिए जीने लायक भी नहीं रह गया है। इसका कारण यह कि योजनाकारों को केवल गंगा की भौतिक गंदगी ही नजर आई और गांधी जी की उन चिन्ताओं को दरकिनार कर दिया गया जिनके निराकरण के बिना गंगा की चिरस्थाई पवित्रता बहाल करना संभव नहीं है। गंगा में ऑर्सेनिक जैसे विषैले तत्व की मात्रा लगातार बढ़ रही है। गंगा की सहायक नदियों यमुना, रामगंगा, चंबल, गोमती–घाघरा, टोंस–कर्मनासा, गंडक–बूढ़ी गंडक, सोन, कोशी और महानंदा आदि नदियों का भी यही हाल है। गांधी जी ने केवल हरिद्वार और ऋषिकेश की गंदगी से ही दुखी नहीं थे बल्कि उनकी चिन्ता का विस्तार काशी तक था। गांधीजी जब 1901 के दिसम्बर में दूसरी बार भारत लौटे तो उन्हें यहां कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में भी भाग लेने का अवसर मिला। इसी दौरान वह थोड़े समय के लिए रंगून भी गए लेकिन फरबरी 1902 में वह कलकत्ता लौट आए। वहां उन्हें गोपाल कृष्ण गोखले ने देश को जानने के लिए भारत भ्रमण की सलाह दी तो वह तैयार हो गए। इसी सलाह का पालन करते हुए वह 21–22 फरवरी को कलकत्ता से राजकोट को रवाना हुए तो रास्ते में काशी, आगरा, जयपुर और पालनपुर में भी एक–एक दिन रुके। उन पर काशी की गंदगी और भिक्षुकों का अच्छा प्रभाव नहीं पड़ा। यहां के बारे में भी उन्होंने अपने यात्रा विवरण में इस तरह उल्लेख किया था। सुबह मैं काशी उतरा। मैं किसी पण्डे के यहां उतरना चाहता था। कई ब्राह्मणों ने मुझे घेर लिया। उनमें से जो साफ–सुथरा दिखाई दिया मैंने उसके घर जाना पसन्द किया। मैं यथा विध ा गंगा स्नान करना चाहता था और तब तक निराहार रहना था। पण्डे ने सारी तैयारी कर रखी थी। मैंने पहले ही कह रखा था कि सवा रुपये से अधिक दक्षिणा नहीं दे सकूंगा। इसलिए उसी योग्य तैयारी करना। पण्डे ने बिना किसी झगड़े के बात मान ली। बारह बजे तक पूजा स्नान से निवृत्त हो कर मैं काशी विश्वनाथ के दर्शन करने गया, पर वहां पर जो कुछ देखा मन को बड़ा दुख हुआ। मंदिर पर पहुंचते ही मैंने देखा कि दरवाजे के सामने सड़े हुए फूल पड़े हुए थे और उनमें से दुर्गन्ध निकल रही थी। अन्दर बढ़िया संगमरमरी फर्श था। उस पर किसी अन्धश्रद्धालु ने रुपये जड़ रखे थेय रुपयों में मैल कचरा घुसा रहता है। "निसंदेह यह सच है कि हरिद्वार और दूसरे प्रसिद्ध तीर्थस्थान एक समय वस्तुतः पवित्र थे। लेकिन मुझे कबूल करना पड़ता है कि हिन्दू धर्म के प्रति मेरे हृदय में गंभीर श्रद्धा और प्राचीन सभ्यता के लिए स्वाभाविक आदर होते हुए भी हरद्वार में इच्छा रहने पर भी मनुष्यकृ त ऐसी एक भी वस्तु नहीं देख सका, जो मुझे मुग्ध कर सकती। लेकिन जहां एक ओर गंगा की निर्मल धारा ने और हिमाचल के पवित्र पर्वत–शिखरों ने मुझे मोह लिया, वहां दूसरी ओर मनुष्य की करतूतों को देख मेरे हृदय को सख्त चोट पहुंची और हरिद्वार की नैतिक तथा भौतिक मलिनता को देख कर मुझे अत्यंत दुख हुआ। इस बार की यात्रा में भी मैंने हरद्वार की इस दशा में कोई ज्यादा सुधार नहीं पाया। पहले की भांति आज भी धर्म के नाम पर गंगा की भव्य और निर्मल धार गंदली की जाती है। गंगा तट पर, जहां पर ईश्वर–दर्शन के लिए ध्यान लगाकर बैठना शोभा देता है, पाखाना–पेशाब करते हुए असंख्य स्त्री–पुरुष अपनी मूढ़ता और आरोग्य के तथा धर्म के नियमों को भंग करते हैं। तमाम ध र्म–शास्त्रों में नदियों की धारा, नदी–तट, आम सड़क और यातायात के दूसरे सब मार्गों को गंदा करने की मनाही है। यह तो हुई प्रमाद और अज्ञान के कारण फैलने वाली गंदगी की बात। धर्म के नाम पर जो गंगा–जल बिगाड़ा जाता है, सो तो जुदा ही है। विधिवत् पूजा करने के लिए मैं हरिद्वार में एक नियत स्थान पर ले जाया गया, जिस पानी को लाखों लोग पवित्र समझ कर पीते हैं उसमें फूल, सूत, गुलाल, चावल, पंचामृत वगैरा चीजें डाली गईं। जब मैंने इसका विरोध किया तो उत्तर मिला कि यह तो सनातन् से चली आई एक प्रथा है। इसके सिवा मैंने यह भी सुना कि शहर के गटरों का गंदला पानी भी नदी में ही बहा दिया जाता है, जो कि एक बड़े से बड़ा अपराध है.....। गांधीजी ने अपनी डायरी में लिखा है कि जब हरिद्वार कुम्भ में वह पहुंचे थे तो उन्हें बताया गया कि वहां 17 लाख श्रद्धालु उस बार पहुंचे थे। लेकिन अब तो करोड़ों लोग 24 घटों में हरिद्वार तथा इलाहाबाद के घाटों पर पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद कुंभ में 7 करोड़ तथा उत्तराखण्ड सरकार ने 9 करोड़ लोगों के जमा होने का दावा किया था। इसके अलावा सालभर स्नान पर्व आते रहते हैं जिनमें करोड़ों स्नानार्थी गंगा तटों पर पहुंचते हैं। डेढ़ से लेकर दो करोड़ तक कांवड़िए हर साल गंगाजल भरने आते हैं जो कि खुले में गंगा किनारे शौचादि करते हैं। जब तक इतने लोगों को और खास कर आश्रम संचालकों को गंगा के प्रति नैतिक जिम्मेदारी से आगाह नहीं किया जाता तब तक गंगा की निर्मलता की कल्पना नहीं की जा सकती। इन 364 परियोजनाओं में से, 160 परियोजनाएं सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित हैं, जिन्हें 5024 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्षमता के निर्माण और पुनर्वास और 5227 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क बिछाने के लिए लिया गया है।

वैचारिक अंतरधारा ही सिद्धांतों की अंत:प्रज्ञा, वैचारिकता की अवहेलना अथवा नष्ट नहीं किया जा सकता

संजीव ठाकुर

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है। और यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए अंतरात्मा को प्रभावित करती है और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंत:प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारध ारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारध ारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारध ारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा ध ाराओं का उल्लंघन भी है। किसी स्वस्थ,स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारध ारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

टाटा मैजिक से दबकर घर के बाहर खड़ी बच्ची की मौत

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खेतासराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार की सुबह क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव मे एक मदरसा की वैन बैक करते समय मोहल्ले की गली मे बच्ची की दबकर मौत हो गई। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे मे लेकर पी एम के लिए भेज दिया है। मृतक बच्ची के परिजनो ने समाचार लिखे जानें तक तहरीर नही दी है।

जानकारी के अनुसार आजमगढ़ जनपद के लालगंज थाना क्षेत्र के दवना केवटली गांव निवासी हाजरा 4 पुत्री हसनैन क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव निवासी मामा शम्स तबरेज के घर आई हुई थी। बुधवार को सुबह क्षेत्र के एक मदरसे की टाटा मैजिक गांव आने पर स्कूल जाने के लिए शम्स तबरेज के परिवार के बच्चे मैजिक मे बैठे तभी चालक मदरसा वैन को बैक कर जाने लगा उसी समय हाजरा मोहल्ले में आसिफ के घर के बाहर खड़ी थी और मैजिक के पिछ्ले टायर के चपेट मे आ गई। तुरन्त बच्ची को पी एच सी सों़ी ले जाया गया जहां डाक्टरों ने हाजरा को मृत घोषित कर दिया। हाजरा के अलावा परिवार मे एक भाई इस्माइल हसनैन 9 है। हाजरा के पिता हसनैन रोजी रोटी के लिए मुम्बई रहते है। मां का रो रो कर बुरा हाल है। हाजरा अपने मामा शम्स तबरेज के घर आई हुईं थी। थानाध्यक्ष चंदन राय ने बताया की दुर्घटना की सूचना मिली थी। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजनो से तहरीर मिलने पर वाहन चालक के खिलाफ आवश्यक विधिक कारवाई की जाएंगी।

मण्डल स्तरीय कला उत्सव में एस के डी अकादमी के व्योम, समृद्धि, स्निग्धा एवं कृष ने प्रथम स्थान हासिल किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता होने के बाद एस के डी अकादमी के अनेक विद्यार्थियों ने मण्डल स्तरीय कला उत्सव जो गत 3 अक्टूबर को पायनियर विद्यालय एल्डिको में आयोजित किया गया उसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के दूसरे चरण में भाग लिया एवं चार बच्चों को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जिसमें व्योम श्रीवास्तव व समृद्धि सिंह को लोक संगीत प्रतियोगिता में प्रथम, स्निग्धा मालवीय को शास्त्रीय नृत्य में प्रथम स्थान एवं कृष वर्मा को वाद्य यन्त्र गिटार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

इस उपलब्धि से सभी बच्चे व शिक्षक गण अति प्रसन्न एवं अभिभूत हुए। संस्था के निदेशक मनीष सिंह एवं सभी प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थियों की उपलब्धि की बहुत सराहना की एवं भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

ब्लॉक स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। नारसन। राजा महेंद्र प्रताप इंटर कॉलेज गुरुकुल नारसन के प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बालक बालिका अंडर 14, 17, 19 वर्ग की प्रतियोगिता का आरंभ हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद काला, तथा विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल उपाध्यक्ष अशोक के कर कमल से हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया उसके उपरांत खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना में भाग लिया।

विद्यालय के छात्रों द्वारा इस अवसर पर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार राणा ने मुख्य अतिथि का स्वागत बैच लगाकर किया।

ब्लॉक खेल समन्वयक पवन कुमार राणा ने मुख्य अतिथि तथा विद्यालय प्रबंधन का आभार प्रकट किया।

कार्तिक जोशी के संरक्षण में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी कामेश्वर उनियाल डॉक्टर तेजवीर सिंह ने उपस्थित होकर प्रतियोगिता की शोभा बढ़ाई।

प्रतियोगिता में अंडर–19 गोला फेक में तुषार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया अंडर 14 में गोला फेक में आयरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया अंडर 17 लंबी कूद में बालिका वर्ग में समीक्षा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया बालक वर्ग अंडर 17 लंबी कूद में अंशुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर–19 बालक वर्ग में 100 मीटर में भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में अंडर 17 में 100 मी सानिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

अंडर 17 बालक वर्ग में 800 मीटर में अंशुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया बालिका वर्ग में 800 मीटर अंडर 17 में खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यह प्रतियोगिता 4 अक्टूबर 2023 से 6 अक्टूबर 2023 तक चलेगी।

प्रतियोगिता को संपन्न कराने में संजीव राणा, राजीव बालियान ज्ञानेश्वर प्रीति सैनी कुशाल जीत तोमर, आदित्य चौधरी, प्रशांत राठी, सौरव पवार, सौरभ, विवेक राठी, श्रवण कुमार, सुषमा चौधरी, विपुल, सीमा शेरावत विपुल कुमार आलोक कुमार द्विवेदी का योगदान रहा।

एस आर ग्रुप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी पर सेमिनार आयोजित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आज उमेगा टेक द्वारा सेमिनार आयोजित किया गया ,इस सेमिनार का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साथ आईओटी और 400 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सुधाकर सोनी (जीएम ऑपरेशन लीड) मधुरेंद्र सचान (टेक्निकल एक्सपर्ट स्पीकर) प्रभात मिश्रा(सह वक्ता) प्रशांत मिश्रा (डेमो और हैंड्स–ऑन में छात्रों की सहायता) तथा संस्थान के निदिशक डीपी सिंह, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के संकाय अध्यक्ष वीर सिंह संगड़क अभियंत्रण के संकाय अध्यक्ष जेपी दीक्षित, संभव अग्रवाल इत्यादि उपस्थित है इस सेमिनार में भविष्य में होने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्रामिंग को मशीन लर्निंग के माध्यम से एवं इंटरनेट के माध्यम से कैसे स्वचालित बनाया जाएगा इस विषय पर समक्ष रूप से व्यवहारिक ज्ञान छात्रों को दिया गया। जिसमें यह बताया गया की इंटरनेट वी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ घर के तमाम मशीनी काम जैसे एक मशीन को घर पहुंचने से पहले ऑन कर देना ,अपने सिक्योरिटी कैमरा से घर पर ना रहते हुए 360 डिग्री सर्वेक्षण कर लेना, घर पर ना रहते हुए भी लगभग सारे दरवाजा का कंट्रोल आपके हाथ में हो सकता है इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी दोनों के द्वारा किया जा सकता है मधुरेंद्र सचान टेक्निकल एक्सपर्ट जिन्होंने सभा मे मॉडल के रूप से एक कार को इंटरनेट द्वारा रिमोट लोकेशन से ऑपरेट करके दिखाए ,आने वाली संभावनाओं में कहा जा रहा है कि व्यक्ति अपनी कार को पार्किंग से बिना ड्राइवर के अपने खड़े होने की सुरक्षित स्थान तक बुलाया जा सकता है बिना ड्राइवर के ड्राइव करके अपने आप मालिक तक आ सकती है।

इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरपर्सन पीयूष सिंह चौहान ने कहा की रोबोटिक्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आईओटी ,डाटा साइंस, डाटा माइनिंग ,मशीन लर्निंग, इस सारी विधाएं आने वाले समय में सुनहरे भविष्य का निर्माण करेंगे।

इसलिए छात्रों को इसमें बढ़–कर कर हिस्सा लें तथा ज्ञान अर्जित करें ,आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सत्संग से अध्यात्म पथ प्रकाशित और जीवन का अंत:करण पवित्र होता है : आचार्य अशोक

शाहजहाँपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। शिव सत्संग मण्डल के मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि सत्संग से अध्यात्म पथ प्रकाशित और जीवन का अंतःकरण पवित्र होता है।

वह परी मैरिज लान में मण्डल द्वारा आयोजित वार्षिक धर्मोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। आचार्य ने कहा कि सत्य का साथ एवं असत्य व अन्ध विश्वास का निवारण सत्संग कहलाता है।

सत्संग और स्वाध्याय से कुसंस्कारों का शमन, अहंकार का निर्मूलन एवं पवित्र अंतःकरण की निर्मिति होती है। अतः सत्संग अध्यात्म पथ प्रकाशक एवं जीवन सिद्धि का सहज मार्ग है।

भगवान शिव ज्ञान विवेक विचार और समाधि अर्थात् समाधान के आराध्य हैं। वस्तुतः अज्ञान ही जीवन की सबसे बड़ी बाधा है। बताया कि शिव परमतत्व अत्यंत प्रखर मुखर और चौतन्य रहता है।इसलिए अपने अंतःकरण को शुभ संकल्पों से भावित कर शुभता, सकारात्मकता, और स्वयं में अंतर्निहित अनंतता का जागरण करें !

लखनऊ मण्डल के अध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने कहा कि

संसार के सभी बड़े धर्मों के धर्मगृंथहैं, उनमें भी कोई एक सर्व मान्यहै। जिससे धर्म विशेष की व्यवस्था चलती हैद्य सनातन हिंदू धर्म में भी अनेकानेकधर्म गृंथ होने पर भी वेदों को मूल धर्मगृंथ माना गया हैद्ययह सनातन काल से इस धरापर विद्यमान है कालान्तर में इसी से सभी धर्मों का उदगम हुआ ऐसा लगता हैअतः सत्यान्वेषण हेतु वेद मनुष्यों का मार्गदर्शन करते चले आए हैं तथा उस विद्या को विद्वानों पाठ्यपुस्तकों में सरलता से सम्मलित किया है।सदग्रंथ अध्ययन हमारी प्राथमिकता बने। बताया कि ग्रंथों का अध्ययन वैचारिक नावीन्यता के साथ–साथ उत्साह, उमंग, सही जीवन दृष्टि और लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक है।अतः आत्म सामर्थ्य के जागरण और जीवन में दिव्यता प्रकाशन हेतु सदग्रंथों की ओर लौटें।

लखीमपुर के जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद ने ईशतत्व की चर्चा करते हुए कहा कि वह परमेश्वर जिसने सूरज चाँद तारे पशु पक्षी वनस्पति आदि समस्त संसार बनाया है वही हमारी स्तुति के योग्य हैअन्य नहीं द्य अतः हमें बुद्धिपूर्वक विचार पूरी गम्भीरता केसाथ करना होगा तभी हम ईशतत्व को समझ सकेंगे अन्यथा नहीं।

लखनऊ के योग प्रशिक्षक डॉ संदीप चौरसिया ने कहा कि हम जो भजन ध्यान करते हैं वह क्या जगत को बनाने वाला है या उस विधाता की रचना तो नहीं है यदि ऐसा है तो उपासनीय नही है उस एक परमेश्वर की अनादिकाल से विद्वान मनुष्य उपासना करते आये हैं। वही समस्तमनुष्यों का वंदनीय हैद्य सभी सत्पुरुषों ने उसी परमेश्वर कीउपासना कर महानता पायी है और हमारे लिए पृतीक रूप मन्दिर वनवाये जिनका नाम शिवालय रखा अन्य नही।

प्रचारक प्रेम भाई ने कहा कि ज्ञान एक सार्थक, दिव्य और आनंदमय जीवन की कुंजी है। भ्रम और अज्ञान को दूर करने के लिए आत्मज्ञान की खोज करें। ज्ञान हमें सशक्त, उन्नत और प्रबुद्ध करता है और यह शांति तथा शक्ति प्रदान करता है।

समापन पर राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पांडेय ने कहा कि हम शिव नाम से उस परमात्मा को याद करें।अपनें पूजाघरों में साकार रूप में केवल शंकर भगवान की मूर्ति या चित्र लगायें, सम्भव हो तो परिवार के साथ अन्यथा अकेले ही आरती करें।रातृकिालमें सोने से पूर्व तथा पृातः जल्दी उठकर शौचादिसेनिवृत्त होकर सीधे बैठकर प्रकाश स्वरूप से ध्यान करेंद्यपरमात्माकी दया से आपका अन्तर जगमगा उठेगाद्यभगवान शिव की दया से आपका जीवन दिव्य्य हो जायेगा धन्य हो जायेगा इस दिव्य्य जीवन को आप धारण करें।इसके अलावा रवि लाल रामअवतार, नन्हेलाल,सोनपाल, व्यवस्थापक यमुना प्रसाद आदि ने बताया कि शिवोपासना से ही समग्र जीवन का कल्याण संभव है।

अम्बरीष कुमार सक्सेना एवं रवि वर्मा के संयुक्त संचालन में इस धर्मोत्सव की अध्यक्षता डॉ कलिका प्रसाद ने की।कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं बहन श्रुति ने सामूहिक ईश प्रार्थना से किया। श्रीकृष्ण, रामचंद्र,योग प्रशिक्षक सत्यम भैया, सुनयना, प्रतिज्ञा, शिवा, अथर्व, उन्नति, आनंद, साक्षी, सत्यम कुमार,शिव महिमा, सौम्य,शिवम तथा रोहित वर्मा ने प्रेरणादायी भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर लिया।हरिओम,बाबूराम,गोपाल,रजनीश, डॉ रोहित कुमार वर्मा,वेद प्रकाश,रघुनाथ आदि ने धर्मोत्सव में खासा योगदान किया।

शास्त्री जी व गांधी जयंती पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सुर संगम परिवार धार्मिक सामाजिक व सांस्कृतिक ट्रस्ट द्वारा गांधी व शास्त्री जयंती के अवसर पर सेंट मैरी कान्वेंट स्कूल में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें सर्वप्रथम ष्स्वच्छता ही सेवाष के तहत संस्था के अध्यक्ष पंकज सिन्हा गायक, सभी संरक्षक गण, पदाधिकारी गण एवं सभी सदस्यों ने सफाई अभियान को पूरा किया तत्पश्चात गांधी व शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की तथा देश की महान विभूतियों की प्रेरणा से ओत–प्रोत होकर सभी ने अपने–अपने शब्दों में विचार व्यक्त किया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगियों का आयोजन हुआ। जिसमें परिवार के लोगों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। नृत्य प्रतियोगिता में कशिश श्रीवास्तव प्रथम, राजनंदिनी शुक्ला, इप्शिता श्रीवास्तव द्वितीय व भूमि श्रीवास्तव तृतीय' रहीं। स्तुति गुप्ता ने गीता श्लोकों का गान व ईशा पांडे ने रघुपति राघव का गान' किया। नृत्य स्पेशल पुरस्कार आंशिका खरे को मिला। महिला वर्ग के चेयर गेम में सुमन श्रीवास्तव प्रथम रहीं। पुरुष वर्ग के पर्ची गेम मेंअजय श्रीवास्तव (रिटायर्ड जिला जज, बिहार सरकार) प्रथम' रहे। पुरुष व महिला वर्ग में जमकर अंताक्षरी हुई। प्रतियोगिता का जजमेंट अरुणा गुप्ता व चंद्रा श्रीवास्तव ने किया। पूरे कार्यक्रम का भव्य संचालन नेशनल एंकर व सिंगर शैली गगन व संस्था के सचिव गणतंत्र श्रीवास्तव ने किया। सेंट मैरी के प्रबंधक दिनेश गुप्ता व रागिनी गुप्ता ने पूरे परिवार का स्वागत व अभिनंदन किया।पंकज सिन्हा ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर संस्था के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सत्य की खोज करना ही भागवत कथा का मूल मंत्र है - आचार्य प्रभु दयाल जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सत्य की खोज करना ही श्रीमद्भागवत कथा का मूल मंत्र है। यह बात बृंदाबन से आए आचार्य प्रभु दयाल ने केराकत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेहड़ा के अंगद सिंह के पैतृक निवास पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पहले दिन उपस्थित श्रोताओं को प्रवचन सुनाते हुए कही। उन्होंने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सत्य ही हरिनाम है। सत्य ही चित्त और आनंद है।सत्य ही परमात्मा का स्वरुप है। इसी को जीवन में उतारना ही परमात्मा व जीव का मिलन है। उन्होंने ने जीवन जीने की कला के बारे में बहुत ही सरल उपाय बताया, कहा कि सुबह सोकर उठने के पश्चात सबसे पहले पृथ्वी माता, माता पिता और गुरुजनों को प्रणाम करना ही जीवन का भजन है। जो प्राणी इस मंत्र को नित्य प्रतिदिन जीवन में उतारने का प्रयास करता है तो उसका जीवन मंगलकारी हो जाता है। जो व्यक्ति कुछ पल हरिनाम संकीर्तन व जाप करता है वह मरने के बाद भी सत्य योनि का भागीदार हो जाता है। समाज में यश, कीर्ति, वैभव तथा धन वगैरह जो मिलता है वह सब माता पिता व गुरुओं के आशीर्वाद से मिलता है। उसका व्यक्ति को अनुभव करना चाहिए। धन के सदुपयोग का का मार्ग बताते हुए उन्होंने बतलाया कि लक्ष्मी वहीं रहती है जो परमात्मा को दान करता है। सच्ची विद्या वह है जो परमात्मा को मिला दे। उसका उपयोग ब्रह्म चिंतन में करना चाहिए। हनुमान में अपार शक्ति थी।वे पराक्रमी थे किंतु उन्हें एहसास कराना पड़ता था। उसी प्रकार व्यक्ति को अपने अंदर निहित शक्ति व पुरुषार्थ को जगाना पड़ता है। जीवन के सारे तापों को कृष्ण चरणामृत से ही दूर किया जा सकता है। राधा शक्ति तथा कृष्ण ब्रह्म है। जीवन के अंधकार को दूर करने के लिए श्रीमद्भागवत कथा का वाचन एवं श्रवण करना चाहिए। सिर्फ परमपिता परमेश्वर ही पूर्ण है, बाकी सब अधूरे हैं। मुख्य यजमान की भूमिका पंकज सिंह निभा रहे हैं। इस मौके पर श्रीपत सिंह, केशरी सिंह, अवनीश सिंह आदि मौजूद रहे।

दो बाइको की टक्कर में मां बेटे हुए घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर– आजमगढ़ हाइवे पर लिलहा गांव के पास बुधवार को तड़के भोर में हुए एक हादसे में दो बाइक सवार टकरा गए। घटना में एक बाइक पर सवार मां बेटे घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया गया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मीरमस्त निवासी ऊर्सी अपनी बाइक पर अपनी मां गुड़िया को बैठाकर आजमगढ़ जनपद से बुधवार को तड़के भोर में वापस जौनपुर आ रहा था। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बाईपास मार्ग लिलहा गांव के पास दूसरा तरफ से आ रही एक अज्ञात बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर गए। जिसमे गुड़िया 46 व ऊर्सी 19 घायल हो गए। दोनों को सिर में चोट आई। वही दूसरा बाइक सवार को हल्की चोट लगी वह मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए एम्बुलेंस से सीएचसी चोरसंड भिजवाया। जहां सीएचसी के चिकित्सकों ने दोनों घायल मां बेटे को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

औद्योगिक क्षेत्र में बीस घंटे से विद्युत आपूर्ति बाधित होने से उद्यमियों का भारी नुकसान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित होने से उद्यमियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ाद्यविद्युत आपूर्ति मंगलवार को तीन बजे दोपहर से बाधित होने के बाद बुधवार ग्यारह बजे तक भी बहाल नहीं हो पाईद्य बीस घंटे से ज्यादा समय बीत गया है तब भी विद्युत विभाग की उदासीनता के कारण विद्युत आपूर्ति नहीं हो पाईद्यजिससे उद्यमियों को मशीन न चलने के बाद भी कार्यरत कर्मचारियों व मजदूरों को वेतन देना पड़ रहा हैद्ययह एक दिन की बात नही है आए दिन यहां की विद्युत गुल हो जाती हैद्यजो हम उद्यमियों के लिए काफी दुखदाई साबित हो रहा हैद्यआई आई ए के अध्यक्ष बृजेश कुमार यादव ने बताया है कि विद्युत आपूर्ति ठप होने से उद्यमियों को करोड़ों रूपये का नुकसान झेलना पड़ रहा हैद्ययहां की विद्युत सुचारू रूप से आपूर्ति करने के लिए उद्योग बंधुओं की बैठकों में उकनी विद्युत उपकेन्द्र से सतहरिया को जोड़ने के लिए मांग किया जा रहा हैद्यकिन्तु संबंधित अधिकारियों द्वारा एक सप्ताह में जोड़ने की बात सिर्फ आश्वासन बन कर सिमट गई हैद्यजो हम उद्यमियों के लिए जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहा हैद्यअवर अभियंता मछलीशहर अभिषेक केशवानी ने बताया है कि फाल्ट को ठीक करवाया जा रहा है।

अल्ट्रासाउंड की सुविधा से लोगों को मिलेगी राहत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में दिनों–दिन लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस क्रम में मेडिकल कॉलेज में अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी लोगों को मिल पाएगी। अल्ट्रासाउंड की प्रक्रिया पिछले कुछ दिनों से चल रही है लेकिन संख्याओं को सीमित रखा गया है। जानकारी के अनुसार अस्पताल की ओपीडी को अब पूरे तरीके से संचालित किया जा रहा है। दिन–ब–दिन मरीजों की संख्या भी अस्पताल में बढ़ रही है डॉक्टर भी अपने निर्धारित समय से पहुंचकर मरीजों का इलाज व देखभाल कर रहे हैं। मेडिकल के कॉलेज में अल्ट्रासाउंड मशीन लगा दी गई है इससे जहां मरीजों को सहूलियत होगी वहीं चिकित्सकों का भी समय बचेगा। मेडिकल कॉलेज में लगातार सुविधा बढ़ रही हैं जिससे मरीजों को जांच और इलाज में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो पाए लैब सहित अन्य कार्य चल रहे हैं।अल्ट्रासाउंड जांच करने के लिए मशीन भी बढ़ाई जाएंगे। जिससे मरीजों की सहूलियत मिल सके। हर रोज 10 से 12 अल्ट्रासाउंड मेडिकल कॉलेज में किया जा रहे हैं सुचारू रूप से और भी डॉक्टर की नियुक्ति होने के बाद संख्या लगातार बढ़ेगी। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर शिव कुमार ने बताया है की सुविधा शुरू कर दी गई है स।लेकिन सीमित संख्या में है जल्द ही इसे और भी बढ़ाया जाएगा।

बड़ी मस्जिद के पास जर्जर मकान गिरा कोई हताहत नही

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के कोतवाली क्षेत्र में बड़ी मस्जिद तिराहे के सामने स्थित ऋषि मेडिकल एजेंसी के पास रात भर हुई बारिश के कारण एक पुराना जर्जर मकान गिर गया।

मौके पर जिला प्रशासन को सूचना मिलते ही यातायात आवागमन रोक दिया गया। राज कॉलेज चौकी प्रभारी, शंकर मंडी चौकी प्रभारी, पुरानी बाजार चौकी प्रभारी तुरंत मौके पर पहुंचे। मकान गिरने से किसी की घायल होने की खबर नहीं है।

बाइक के धक्के से वृद्ध की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत घर से पैसा निकालने बैक आ रहे वृद्ध की बाइक से धक्का लगने के बाद मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बाइक सवार आलू लदी बाइक छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से आलू सहित बाइक और मृतक के शव को कब्जे में लिया है।पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के राजापुर पकड़ी गांव निवासी लुद्दुर यादव(75) पुत्र स्व0हरीलाल बुधवार को घर से साइकिल द्वारा मछलीशहर बैक से पैसा निकालने आ रहे थे।नगर के मरियाहु मार्ग पर बैक आफ बड़ौदा से पहले ही उक्त मार्ग पर तेज रफ्तार से आलू लादकर जा रहे बाइक सवार ने धक्का मारा तो लुद्दूर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

अकटूबर को शिक्षक महासंघ बेसिक शिक्षा निदेशालय पर करेगा धरना-प्रदर्शन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। प्रदेश के शिक्षक साथियों के साथ सरकार द्वारा सतत किये जा रहे उपेक्षा पूर्ण रवैये के खिलाफ प्रदेशीय नेतृत्व के आवाहन पर आगामी 9 अक्टूबर दिन सोमवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय विद्या भवन निशातगंज लखनऊ में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया है।यह धरना–प्रदर्शन शिक्षक महासंघ के आवाहन पर आयोजित है जिसमें प्रदेश के हर जिले कि प्रत्येक शाखा से पांच पांच शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा प्रदेशीय कार्यकारिणी, मंडल तथा जिले के पदाधिकारी भी धरने में शिरकत करेंगे। उक्त आशा की सूचना माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अयोध्या के जिला अध्यक्ष राकेश पांडे तथा जिला मंत्री आलोक तिवारी ने एक संयुक्त विज्ञप्ति में दी है। नेता द्वय ने बताया की प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा सरकार और शासन को 18 सूत्रीय मांगों को लेकर एक सूची सौपी गई थी। जिस पर सरकार और शासन ने अभीतक कोई भी कार्यवाही नहीं की है । और इसके अलावा चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 21, धारा 18 तथा धारा 11 (6) को भी समाप्त करने का कुचक रचा गया है। जिससे शिक्षकों की सेवा संबंधी सुरक्षा समाप्त हो गई है। सरकार और शासन द्वारा जानबूझकर प्रदेश के शिक्षकों के साथ उपेक्षा तथा सौतेले व्यवहार के विरोध में आगामी 9 अक्टूबर दिन सोमवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया है। यदि सरकार और शासन इसके बावजूद भी अपना रवैया नहीं बदलती है तो उसके खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी । जनपद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मीडिया प्रभारी संजीव चतुर्वेदी ने बताया की प्रदेशीय नेतृत्व के आवाहन पर लखनऊ में आयोजित एकदिवसीय धरना प्रदर्शन की सफलता को लेकर जनपद के प्रत्येक शाखा अध्यक्ष और मंत्री से संपर्क करके पांच पांच शिक्षकों को लखनऊ ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।इसके अलावा जनपद की पूरी कार्यकारिणी के सदस्यों तथा पदाधिकारी को भी लखनऊ धरना प्रदर्शन में सम्मिलित होने का निर्देश दिया गया है।

गाय को राष्ट्रीय जीव घोषित करने की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनीत खंड, गोमतीनगर, लखनऊ में आशा फाउण्डेशन की संस्थापक अध्यक्ष आशा सिंह तथा मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा के साथ आयोजित बैठक में राष्ट्रीय मतदाता पार्टी एवम् राष्ट्रीय मतदाता जागरण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष संस्थापक डॉ. शेख सिराज बाबा ने गाय को राष्ट्रीय जीव घोषित करने की मांग को दोहराया। डॉ सिराज बाबा ने कहा कि जल्द ही पुनरू गऊ शोभा यात्रा निकाल कर गांधी प्रतिमा, हजरतगंज, लखनऊ में धरना प्रदर्शन कर माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राष्ट्रपति, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, महामहिम राज्यपाल एवम् चीफ जस्टिस, माननीय उच्च न्यायालय को ज्ञापन देकर निम्न छरू सूत्री मांग की जायगी। गाय को मारने वालों, गाय को काटने वालों, गाय को खाने वालों तथा गाय को बेचने वालों पर भी देशद्रोह की कार्यवाही होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त देश के सभी स्लाटर हाउस में गाय को काटने पर तत्काल प्रतिबन्ध लगाया जाए एवम् गाय को ष्राष्ट्रीय जीवष तत्काल प्रभाव से घोषित किया जाए। अन्यथा राष्ट्रीय मतदाता जागरण संस्थान एवं राष्ट्रीय मतदाता पार्टी के द्वारा न्याय पालिका का दरवाजा खट खटाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस मुद्दे पर सखध्त कानून नहीं बनने के कारण लोगों की बेवजह जानें जा रही हैं। इससे देश की हिंदू मुस्लिम एकता खतरे में पड़ रही है जो गंगा जमुनी तहजीब के विपरीत और देश हित में भी उचित नहीं है। इस बैठक में आशा फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष आशा सिंह, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, रेखा शर्मा, अरशद अली, नावशी खान आदि बैठक में उपस्थित रहे।

सधई बेहटा गांव के किसान प्रताप विक्रम सिंह ने केले की खेती कर बढ़ाई अपनी आय

किसानों का रुझान नवीन पर्यावरण अनुकूल अधिक लाभकारी नकदी फसलों की ओर तेजी से बढ़ा-जिलाधिकारी

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई–' जनपद हरदोई के प्रगतिशील किसानों की फेहरिस्त में एक नाम प्रताप विक्रम सिंह का भी शामिल है जिन्होंने न सिर्फ अपने जीवन स्तर में बदलाव किया बल्कि अन्य किसानों के लिए भी बदलाव के वाहक बने हैं। जनपद के अधिकांश किसानों की भाँति प्रताप विक्रम सिंह भी गेहूं, धान आदि की पारंपरिक खेती किया करते थे जिससे उन्हें सीमित आय ही होती थी। वे बताते हैं कि पारंपरिक खेती से उन्हें करीब 65 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की ही आय होती थी। उनके पास कुल 6.50 हेक्टेयर भूमि है। चूंकि प्रताप विक्रम सिंह एक जागरूक किसान है इसलिए वे निरंतर खेती के नए विकल्पों की तलाश में रहे। उन्हें उद्यान विभाग से जानकारी मिली कि विभाग में नवीन उद्यान रोपण

केला की खेती पर अनुदान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत केला की खेती पर 30738 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान दिया जा रहा है। इसी को देखते हुए उन्होंने वर्ष 2022–23 में 2 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती करने हेतु पंजीकरण कराया। इसके बाद उन्होंने प्रारंभिक रूप से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती की। फसल के सत्यापन के उपरांत उद्यान विभाग की ओर से 46107 रुपए का अनुदान उनके बचत खाते में भेजा गया। किसान प्रताप विक्रम सिंह कहते हैं कि वे केले की खेती से काफी खुश हैं। केले की 2 हेक्टेयर खेती करने में लागत लगभग 4 लाख 95 हजार रुपए आयी। इससे उनको 1720 कुंटल केले की उपज प्राप्त हुई तथा इस उपज को बाजार में बेचकर उन्होंने लगभग 20 लाख 64 हजार रुपए की कमाई की। केले की खेती ने उनकी सोच को पूरी तरह से खेती के प्रति सकारात्मक बना दिया है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह कहते हैं कि औद्यानिक नकदी फसलों के उत्पादन से किसानों की आमदनी में वृद्धि हुई है। जनपद में प्रगतिशील किसानों की संख्या बढ़ी है। हाल के वर्षों में किसानों का रुझान नवीन पर्यावरण अनुकूल अधिक लाभकारी नकदी फसलों की ओर तेजी से बढ़ा है।

फसल अवशेष/पराली न जलाने हेतु जागरुकता गोष्ठी का किया गया आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई–' जिला कृषि अधिकारी ने बताया है कि मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा फसल अवशेषध पराली में आग लगाना दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। उसके तहत 02 एकड़ तक रू0–2500.00, 05 एकड़ तक रू0–5000.00 एवं 05 एकड़ से अधिक होने पर रू–15000.00 अर्थदण्ड का प्राविधान है। कही भी फसल अवशेषध पराली की घटना न हो इसके लिए पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा प्रतिदिन संवेदनशील ग्रामों का भ्रमण किया जा रहा है तथा किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम मे आज विकास खण्ड बावन के ऐजा ग्राम में फसल अवशेषध्पराली न जलाने हेतु जागरुकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला कृषि अधिकारी ने फसल अवशेषध्पराली को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से किसानों को अगवत कराया तथा अपील की कि किसान भाई अपने खेत में फसल अवशेषध्पराली कदापि न जलाये। उन्होने बताया कि परालीध्फसल अवशेष जलाने से मृदा ताप में वृद्धि होती है, जिसके कारण मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। पादप अवशेशों में लाभदायक मित्र कीट जलकर मर जाते है, जिसके कारण वातावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। फसल अवशेष को जलाने से किसानों की नजदीकी फसलों में और आबादी में आग लगने की सम्भावना बनी रहती है। वायु प्रदूषण में अनेक बीमारियॉ तथा धुंध के कारण दुर्घटनाएं हो सकती हैं। विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर द्वारा किसानों को बताया कि किसान भाई फसल अवशेश से कम्पोस्ट खाद बनाकर प्रयोग करने से खेत की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है तथा भूमि में लाभदायक जीवाणु की संख्या में वृद्धि होती है। किसान भाई फसल अवशेश में प्रबन्धन हेतु 50 प्रतिशत एवं 80 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र सुपर सीडर, मल्चर, हैप्पी सीडर, पैडीस्टांचापर, बेलर, श्रबमास्टर, श्लेसर, आदि यंत्र अनुदान पर क्रय कर सकते है, जिसके उपयोग से फसल अवशेशध्पराली को खेत में मिलाकर मिट्टी की उवर्रा शक्ति बढ़ा सकते है।

उन्होने किसानों से आग्रह किया कि फसल अवशेशध्पराली को न जलाये बल्कि गौषालाओं में पहॅचाये तथा गोबर की खाद प्राप्त करें। कृषक फसल अवषेश की दो ट्राली गोशाला को देकर बदले में एक ट्राली गोबर की खाद प्राप्त कर सकते है, जिससे जहॉ एक ओर गौवंश को चारा मिलेगा वही दूसरी ओर किसानों को भूमि के लिए उपयोगी गोबर की खाद प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त किसान के खेत में फसल अवशेशध्पराली के प्रबन्धन के कृषि बेलर का प्रयोग कर प्रदर्शन करके दिखाया गया। उक्त अवसर पर प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार एवं कृषि विभाग क्षेत्रीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता के उत्प्रेरक की भूमिका अदा करें: अजय तिवारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फतेहपुर जनपद के विकासखंड धाता के खंड विकास अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने विकासखंड परिसर में स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता के उत्प्रेरक की भूमिका अदा की। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता के उत्प्रेरक की भूमिका अदा करें। खंड विकास अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में शासन की योजनाओं को हंड्रेड परसेंट लागू करवाया जा रहा है। विकासखंड अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने चर्चा के दौरान कहा कि मेरी इच्छा है कि मैं एक अलग कार्य संस्कृति डेवलप करूं जो नजीर बने। श्री तिवारी ने भविष्य की योजनाओं का खुलासा तो नहीं किया इतना संकेत जरूर दिया कि औरों से हटकर कुछ नया कार्य करेंगे जिससे कार्य संस्कृति अलग झलक सके।पूरे देश व प्रदेश में 1 अक्टूबर को स्वच्छता कार्यक्रम का शुरूआत किया गया जिसके अंतर्गत जनपद फतेहपुर के विकासखंड धाता में स्वच्छता कार्यक्रम खंड विकास अधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में चलाया गया जिसमें विकास खंड में उपस्थित सभी कर्मचारियों के द्वारा विकासखंड परिसर के साथ–साथ आसपास की जगह पर झाड़ू लगाकर श्रमदान किया गया। खंड विकास अधिकारी के द्वारा लोगों से अपील के गई कि आप लोग अपने आस पास निरंतर इस तरह का स्वच्छता अभियान चलाकर साफ एवं स्वच्छ रखें जिससे सही मायने में गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर गांधी जी को स्वच्छांजलि दी जा सके।स्वच्छता कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़–कर कर हिस्सा लिया।ब्लॉक प्रमुख प्रदीपिका सिंह ने कहा कि महिलाएं स्वच्छता कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है और स्वच्छता के उत्प्रेरक की भूमिका अदा कर रही है उन्होंने कहा कि स्वच्छता घर से ही शुरू होती है जिसमें महिलाएं पूरी तरह से दक्ष है और उत्प्रेरक की भूमिका अदा कर रही है।

महिलाएं अपने घर के साथ–साथ आसपास भी साफ सफाई रखनी हैं और बच्चों को भी सफाई के प्रति चेतना विकसित करती है। महिलाएं स्वच्छता के प्रति चेतना विकसित करती है क्योंकि व्यक्ति निर्माण से समाज का निर्माण होता है और समाज निर्माण से राष्ट्र का निर्माण होता है। महिलाएं व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका निभा रही है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अपने आसपास स्वच्छता रखने के लिए लोगों को उपाय बताए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बाराबंकी। संस्था जीवएसव सोशल एवं वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा स्थान–देवीगंज,जिला– बाराबंकी स्थित भुवनपुरवा गाँव के स्कूल प्रांगण में बच्चों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के शुभ अवसर पर सभी छात्रों को स्वच्छता अभियान के बारे में बताया और साथ ही साथ आर्थिक रुप से गरीब ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के लिए घरेलू कपड़ों का वितरण शिविर लगाया गया जिसमें अरूण कुमार शुक्ल–महासचिव जी एस सोशल एण्ड वेल्फेयर सोसाइटी के द्वारा स्कूल के सभी छात्रों को एवं ग्रामीणों को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अपने आसपास स्वच्छता रखने के लिए लोगों को उपाय बताए । कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संस्था जीएस सोशल ग्रुप की ओर से सभी क्षेत्रीय सम्मानित वरिष्ठ नागरिक को ह्रदय से धन्यवाद प्रेषित किया।

महासचिव अरूण कुमार शुक्ल ने सभी को अपने घर के आस-पास की साफ- सफाई रखने का आग्रह किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' का आयोजन लखनऊ स्थित तीन अलग–अलग स्थानों पर 'जी एस सोशल एण्ड वेल्फेयर सोसाइटी' के तत्वावधान में कार्यकर्त्तागणों के सहयोग से हुआ। उपस्थित कार्यकर्त्तागणों ने श्रमदान दिया और स्वच्छता ही सेवा अभियान में सफाई करके आस–पास के कूड़े–करकट को झाड़ू लगाकर कूड़ेदान में डाला।

संस्था जी एस सोशल एण्ड वेल्फेयर सोसाइटी, लखनऊ के राजाजीपुरम के तीन स्थानों 'नौबस्ता रामलीला पार्क', 'पावर हाउस के सामने एल डी ए पार्क,राजाजीपुरम लखनऊ' एवं टिकैत राय तालाब चौराहे पर स्वच्छता ही सेवा अभियान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद करके उनके संकल्प को सफल बनाने में सहयोग किया,संस्था जी एस सोशल ग्रुप के महासचिव अरूण कुमार शुक्ल ने सभी को अपने घर के आस–पास की साफ– सफाई रखने का आग्रह किया,और स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में संस्था जीएस सोशल ग्रुप की ओर से सर्वश्री रविन्द्र रस्तोगी,सुनील रस्तोगी,राकेश रस्तोगी,करुणाशंकर,आर के अग्रवाल,बी सी वर्मा,प्रेम चौपड़ा, आलोक मिश्रा,राकेश सिन्हा,योगेंद्र हेकरवाल,रमेश अवस्थी,हर्ष वर्धन दीक्षित अरूण कुमार शुक्ल,सर्वश्रीमती पूनम हेकरवाल, सुनीता गुप्ता, सुनीला रस्तोगी,प्रीती रस्तोगी,सोभा,प्रीती सक्सेना,विमला, आशा,सावित्री निगम,सुभा श्रीवास्तव के साथ–साथ क्षेत्रीय सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों,महिलाओं एवं बच्चों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में साफ–सफाई करके कूड़े–करकट को कूड़ेदान में डालने के लिए प्रेरित किया और सफाई अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया,सभी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के लिए ह्रदय से आभार प्रकट किया,,कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अरुण कुमार शुक्ल(महासचिव–जीएसग्रुप) ने ह्रदय से सभी को आभार एवं धन्यवाद दिया।

बल्दीराय के सोनबरसा इकराम हत्याकांड : तहसीन भगोड़ा घोषित

सुलतानपुर– बल्दीराय थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी इकराम हत्याकांड मामले में आरोपी तहसीन पुत्र कलीम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर भगोड़ा घोषित कर दिया।तहसीन पर गांव के ही इकराम की हत्या का साजिश रचने का आरोप है। कोर्ट ने तहसीन के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 का आदेश जारी किया है। इसके तहत एक महीने के भीतर तहसीन अगर कोर्ट में समर्पण नहीं करते हैं तो कोर्ट उनकी संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश जारी कर सकता है।विवेचक व थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह ने तहसीन के खिलाफ धारा 82 की कार्रवाई के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी। इसमें कहा गया है कि विवेचना के दौरान पता चला कि उनसे हत्याकांड में मुख्य भूमिका निभाई है और अन्य आरोपियों की मदद की है। इसके बाद से उसकी तलाश की जा रही है,लेकिन वह फरार हो गया है। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है और अपनी चल व अचल संपत्तियों को हटा रहा है। उसकी तलाश में कई बार दबिश दी गई, लेकिन कोई पता नहीं चल रहा है। 'क्या था मामला' बल्दीराय थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी इकराम गेहू के खेत की सिंचाई करने गया था। तभी रात्रि में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर इकराम की हत्या कर दी गई थी। घटना 24 दिसम्बर 2022 की है।जिसमे मृतक के माँ की तहरीर पर बबलू,कलीम व तहसीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

कई राष्ट्र के सिंधी समाज से जुड़े मठ मंदिरों की मिट्टी राम मंदिर में होगी समर्पित

अयोध्या डीकेयू लाइव ब्यूरो सुरेंद्र कुमार। अयोध्या राम नगरी में 31 अक्टूबर को राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 180 देश की मिट्टी समर्पित की जाएगी, दिल्ली से अयोध्या पहुंचे सिंधी समाज के लोगों ने ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय से मुलाकात की,प्रगतिशील सिंधी समाज के सदस्य श्रीकांत भाटिया ने बयान दिया कि भारत के सभी सिंधी मंदिरों से मिट्टी जुटाने का कार्य शुरू हो चुका है। अयोध्या राम मंदिर में समर्पित करने के लिए दुनिया के 180 देश से मिट्टी मंगाई गई है, 5 अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर सिंधी समाज के द्वारा दुनिया भर के देशों की मिट्टी जताने का कार्य शुरू हुआ था। 200 से अधिक की संख्या में 31 अक्टूबर को मिट्टी लेकर अयोध्या रामनगरी पहुंचने की तैयारी की गई है जिसकी स्वीकृति राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।